

Magazine Clips

July 8, 2016

India Today Hindi Edition Delhi
6.7.2016 Page 64
Height 27.82cm Width 32.97 cm



टेक्निकल

इंजीनियरिंग और शिक्षा की क्रांति

गुणवत्ता के स्तर



10

टेक्निकल गुणवत्ता

1	इंजीनियरिंग और शिक्षा की क्रांति
2	इंजीनियरिंग और शिक्षा की क्रांति
3	इंजीनियरिंग और शिक्षा की क्रांति
4	इंजीनियरिंग और शिक्षा की क्रांति
5	इंजीनियरिंग और शिक्षा की क्रांति
6	इंजीनियरिंग और शिक्षा की क्रांति
7	इंजीनियरिंग और शिक्षा की क्रांति
8	इंजीनियरिंग और शिक्षा की क्रांति
9	इंजीनियरिंग और शिक्षा की क्रांति
10	इंजीनियरिंग और शिक्षा की क्रांति

1000 पत्रिका गुणवत्ता

1000 पत्रिका गुणवत्ता

इंजीनियरिंग और शिक्षा की क्रांति

इंजीनियरिंग और शिक्षा की क्रांति

इंजीनियरिंग और शिक्षा की क्रांति

बेटी विकल्प, पाठ्यक्रम से अलग गतिविधियाँ पर जोर और हरियाली से भरपूर कैम्पस आइआईटी-शॉम्बे में पढ़ाई को आसदार बना देता है

विश्व ज्ञे

जब विश्व भर में और उनके 20 देशों 14 जुलाई को संघ में ही की शुरुआत की सबसे बड़ी परिवर्तनों में शामिल होकर, जो यह इंजीनियरिंग और शिक्षा की क्रांति (आइआईटी) - शॉम्बे के एक और हीरा बंगला, उनको ही एक भारतीय टॉप है जिसने इस मुकाम को लिए इतिहास बना करवा है, कि इस मुकामों में और बेहतरीन है। यूरोपीय टॉप असाधारण और असाधारण की कोशिश करी।

विश्व टॉप की मान्यताओं को यह कठोरी आइआईटी-शॉम्बे के सबसे बड़ा के अनुभव ही है जिसने असाधारण और शान ही है। असाधारण क्षेत्र में ही जुलाई के जुड़े जाते हैं, पढ़ाई-विद्यार्थी के समग्र जीवन और कोष पर ध्यान देने वाले बर्तमान के इसे बेहतरीन बेहतर पाठ्यक्रम इंग्लैंड में से एक बंद विश्व है, ऐसा इंजीनियरिंग को अपने छात्रों को पाठ्यक्रम से अलग गतिविधियों में अनुभव शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करता है। विश्व-सर्वोत्तम का अनुभव 1.14 है जो भारत

प्रभावकारी है, यही सब है कि इंजीनियरिंग करने के लिए बर्तमान के बीच आइआईटी-शॉम्बे की सबसे बड़ा बन है, जिसकी राश राश में इसकी हीन स्थान देखे गए हैं, छात्रों को लक्ष्य 2009 में 5,200 से बढ़कर अब 10,000 हो चुकी है, कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और मैकेटिंग इंजीनियरिंग के पाठ्यक्रमों को प्राथमिकता देकर है।

इस संस्थान की शोध और विकास असाधारण गुणवत्ताओं में बेहतरीन राश पूरा बढ़ती हुई है, इसके साथ-साथ ही कैम्पस में एक आसानी और पर्याप्त हुआ बर्तमान-अप इकोसिस्टम विद्यार्थी बना रहा है, जिसकी शान से छात्रों में आसानी के प्रति बर्तमान विद्यार्थी देखी जाती है, फिर लक्ष्य अब कि संस्थान के 2015 में शोध और विकास का 245 करोड़ रु. 180 करोड़, 1,500 शोध पर प्रकाशित किए, 356 पेटेंटों अर्जित करवा और पेटेंट के लिए 150 अर्जित प्रकाशित की।

यहां शोध-उद्योग-आइआईटी, इ-

कोशिश करने वाले आइआईटी, इंजीनियरिंग इंजीनियरिंग और शिक्षा की क्रांति आइआईटी-शॉम्बे की गुणवत्ता शोध करने वाले छात्रों को लक्ष्य में ही बर्तमान है, जहाँ विश्व की विद्यार्थी, शोध, इंजीनियरिंग, शोध, भारतीय छात्रों के लिए, इंजीनियरिंग और शोध और इंजीनियरिंग शोध पर बेहतर करने का असाधारण के स्थायी है।

दुर्भाग्यवश के लिए अनुभव लक्ष्य का बनना है कि आइआईटी-शॉम्बे में पूरा छात्रों को गुणवत्ता, गुणवत्ता के असाधारण और शोध-शोध अनुभव का असाधारण छात्रों के लिए शोध का लक्ष्य बनता है, वे बनते हैं, "छात्रों को लक्ष्य के असाधारण विद्यार्थी हैं क्योंकि लक्ष्य अपेक्षाओं को बनाए रखने का ही पूरा छात्रों को इस संस्थान में अनुभव लक्ष्य है, विश्व, वे अपने असाधारण छात्रों को शोध में ही बनते हैं."

आइआईटी-शॉम्बे की शोधों को



टॉप 20

टेक्निकल यूनिवर्सिटी

रैंक	यूनिवर्सिटी के नाम (टेक्नोलॉजी)	यूनिवर्सिटी एकेडमिक की स्थापना	इंजीनियरिंग की स्थापना	कैम्पस	रिजर्व सिटिफिकेशन	स्टूडेंट केयर	इंजीनियरिंग प्रोग्राम	इंफोर्मेशन और कम्प्यूटर	एजिटल प्रोडिक्ट	प्लेसमेंट	सोशल एंजल ट्रेडिंग	कॉर्सेज के लिए सुझाव	कुल स्कोर	अवस्थापक रैंकिंग
1	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बॉम्बे	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	246901	1
2	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, दिल्ली	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	236946	2
3	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मद्रास	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	3	231413	3
4	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कानपुर	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	225626	4
5	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जयपुर	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	218778	5
6	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, रायपुर	6	6	6	6	6	6	6	6	6	6	6	150002	6
7	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गुवाहाटी	7	7	7	7	7	7	7	7	7	7	7	101668	7
8	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, तिरुचिरापल्ली	8	8	8	9	8	8	8	8	8	8	8	76491	8
9	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, पुणे	9	9	9	8	9	9	9	9	9	9	9	74558	9
10	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वाराणसी	10	10	11	10	11	10	10	10	11	10	10	56688	10
11	इंडियन स्कूल ऑफ मैनजमेंट, कोलकाता	11	11	10	11	10	11	11	11	10	11	11	54316	11
12	वाटवपुर यूनिवर्सिटी, बॉलारगुड	12	12	12	12	12	12	12	12	12	12	12	49881	12
13	इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल टेक्नोलॉजी, मुंबई	13	13	13	13	13	13	13	13	13	13	13	40312	13
14	बीआइटी यूनिवर्सिटी, केरल	14	14	14	14	14	14	14	14	14	13	14	37939	14
15	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेश साइंस एंड टेक्नोलॉजी, तिरुवनंतपुरम	15	15	15	15	15	15	15	15	15	15	15	35483	15
16	डोमी ग्राम मेमोरियल इंस्टीट्यूट, मुंबई	16	16	16	17	16	16	16	17	17	16	16	28966	16
17	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, इंदौर	17	17	17	16	17	17	17	16	16	17	18	27733	17
18	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, इरोर	18	18	18	19	18	19	18	18	18	18	17	25751	18
19	ओपीएसएन मेमोरियल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कुल्लयचंद	19	18	18	18	18	20	19	19	18	19	19	25146	19
20	मेमोरियल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, दुर्गापुर	20	18	20	20	21	17	20	20	20	20	21	23922	20

गुरु मंत्र



विषयों के ठेरों विकल्प के साथ बेहद लचीला पाठ्यक्रम और पाठ्यक्रम से अलहदा गतिविधियों पर जोर आइआईटी-बॉम्बे की पढ़ाई को बेहद असरदार बना देता है."

देवांग साखड़, निदेशक

हैं, कंपस प्लेसमेंट में जून 2015 तक 310 संगठनों ने हिस्सा लिया और 1,118 नौकरियों की पेशकश की. साल 2014-15 में प्लेसमेंट के लिए सबसे ज्यादा 1,675 रजिस्ट्रेशन हुए, उनमें से 1,118 को नौकरियां मिलीं. संस्थान से पढ़कर अच्छे फाइल इंजीनियर हो नहीं निकले, बल्कि उतने ही फाइल रिलाइफ भी निकले हैं. पिछले साल छाटा एनालिटिक्स के क्षेत्र में 155 नौकरियों की पेशकश की गई, जिसने इसे

टेक्निकल

यूनिवर्सिटी स्पेशल



संख्या

छात्र



10,000

फैकल्टी



596

लोकाप्रिय विषय

- कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग
- इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
- मैकेनिकल इंजीनियरिंग



नया क्या है

- बैचलर ऑफ डिजाइन
- एनजीएचएच एमबीए, सेंट लुई की
- वाशिंगटन यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर



शानदार फैक्टिवल

- मूड इंडिगो: कॉलेज लेवल का एशिया का सबसे बड़ा कल्चरल फेस्टिवल
- टेकफेस्ट: लाइटेनिक लोग, नई खोज और टेक्नोलॉजी को प्रोत्साहित करने के लिए लाइस एंड टेक्नोलॉजी फेस्टिवल



रोजगार की पैदावार

सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय	सर्वाधिक घरेलू	औसत
65 लाख सालाना	34 लाख सालाना	9.5 लाख सालाना

क्या आप जानते हैं?

सबसे अमीर आइआइटीयन भरत देसाई यहीं से हैं

आइआइटी-बॉम्बे

में क्या है खास?

- 1 वेहद लचीला पाठ्यक्रम छात्रों को दबावमुक्त कर देता है. आप सिविल इंजीनियरिंग और कंप्यूटर साइंस एक साथ पढ़ सकते हैं
- 2 पिछले दो साल में इसने शोध और विकास पर 243 करोड़ रु. खर्च किए हैं
- 3 इसने अपने इलेक्ट्रिक लिफ्टिया वाहन, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और फ्यूल एडिक्टिव सरीस्रे नवाचारों के लिए लाइसेंस हासिल किए हैं
- 4 पाठ्यक्रम से अलखदा गतिविधियों पर जोर से छात्रों को फायदा मिलता है क्योंकि ये उन्हें पूरे साल भर संस्कृति, खेल, टेक्नोलॉजी और मुकाबलों में लगाए रखती है
- 5 यह अपने दो बड़े आयोजनों मूड इंडिगो और टेकफेस्ट के जरिए उद्यमशीलता को बढ़ावा देता है. टेकफेस्ट को दुनिया भर से प्रायोजक मिलते हैं जो अक्सर करोड़ों रु. लगाने के लिए तैयार रहते हैं

इंजीनियरिंग और सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों के बाद भर्ती का सबसे बड़ा क्षेत्र बना दिया. इसके बाद कॉर्पोरेट कंसल्टिंग (107), वित्तीय सेवाओं (100), आरएंडडी (48) और शैक्षणिक संस्थाओं (45); सार्वजनिक क्षेत्र (10) और एफएमसीजी (6) में सबसे ज्यादा नौकरियों की पैदावार की गई थी. इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में सबसे ज्यादा 381 नौकरियां मिलीं और उसके बाद आइटी (199) का नंबर आता है.

2015 में तकरोबन 365 नौकरियां 11 लाख रु. से ज्यादा सालाना वेतन की मिलीं, केवल 8 3 नौकरियां 5 लाख रु. से कम सालाना वेतन की थीं, देश में सबसे ज्यादा वेतन वाली नौकरी सालाना 34 लाख रु. की थी और विदेश में सबसे ऊंची तनख्वाह वाली नौकरी सालाना 65 लाख रु. की थी. देश के भीतर नौकरियों की औसत तनख्वाह 9.5 लाख रु. सालाना थी.

आइआइटी-बॉम्बे का कैम्पस विहार और पर्वार की दो शीलों के मजदूक स्थित है. यह प्राकृतिक माहौल छात्रों के लिए कुदरत का परदान सरीखा है. यहाँ के छात्र अभिंत सनाध्य कहते हैं कि यहाँ की हरियाली और दिलचस्प माहौल उन्हें ऊर्जा से भरपूर बनाए रखता है. यहाँ के गुलमोहर कैफेटेरिया को छात्र गुल्फु कहते हैं. यह और स्टुडेंट्स एक्टिविटी सेंटर उनके परसदीदा अड्डे हैं.

हायरैक्टर देजांग खाखर का कहना है कि विषयों के देरों विकल्प देने वाला लचीला पाठ्यक्रम और स्वावहारिक तरीकों से तालीम आइआइटी-बॉम्बे की पर्वार को बहुत असरदार बना देते हैं. वे कहते हैं, "कैम्पस का अनुभव

हमारे छात्रों को कायापालट कर देता है. हम उन्हें सफल अकादमिक काम और शानदार पाठ्येतर सतुलियतें मुहैया करते हैं. हमारी आधुनिक प्रयोगशालाएं छात्रों को शोध में हिस्सा लेने का मौका देती हैं. हमारी बुनियादी ताकत हमारे लाजवाब शिक्षक हैं."

संस्थान ने पिछले साल वाशिंगटन यूनिवर्सिटी, सेंट लुई के साथ मिलकर दो नए पाठ्यक्रम शुरू किए: बैचलर इन डिजाइन (बीडीईएस) और एनजीएचएच एमबीए. बीडीईएस पाठ्यक्रम की 35 सीटों के लिए तकरोबन 800 छात्रों ने आवेदन किया.

कैम्पस के 16 छात्रावासों में से हरेक में अलग जिम, खेल की जगहें, खेलों की लाइब्रेरी, मेस और दुकानें हैं जो छात्रों को मुश्किल रखती हैं. वे साल के दो बड़े आयोजनों का भी इंतजार करते हैं. एक है मूड इंडिगो जो कॉलेज स्तर का एशिया का सबसे बड़ा सांस्कृतिक महोत्सव है और दूसरा है टेकफेस्ट जो साइंस और टेक्नोलॉजी का मेला है और प्रौद्योगिकी, वैज्ञानिक फिंन और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया जाता है.

इसके दो पूर्व छात्रों रक्षा मंत्री मनोहर पर्रीकर और उद्यमी मे सिमासतदा बने नंदन नीलेकॉण की सादगी की कहानियां तो खूब सुनाई जाती हैं. लेकिन दूसरे पूर्व छात्र भी बराबर दिलचस्प जगहों हैं. उनमें आइटी कंपनी मिंटेल के चेयरमैन भरत देसाई भी हैं. एक छात्र कहते हैं, "आखिर वे सबसे अमीर आइआइटीयन जो हैं." और उनके रोल मॉडल भी.